email
janpath.news@gmail.com

जनपथ समाचार

Siliguri | Tuesday 14 May 2024 | 12 Page | सिलीगुड़ी | मंगलवार 14 मई 2024 | मूल्य : ₹ 5.00 वर्ष 42 अंक 236 RNI: 34394/82

13 वर्षों तक गुमशुदगी के बाद भूटानी युवक की हुई स्वदेश वापसी

2011 में पिता से झगड़े के बाद भारत में किया था प्रवेश

मुंबई की सामाजिक संस्था के प्रयासों से फिर घरवालों से मिला

चामूर्ची (संवाददाता)। भारत में करीब 13 सालों तक गुमशुदा रहने के बाद 36 वर्षीय एक भूटानी नागरिक आज अपने पिता से मुलाकात होने पर अपनी भावनाओं को नहीं रोक सका। इस मुलाकात के दौरान बाप-बेटे ने एक दूसरे को गले लगाते हुए अपना स्नेह व्यक्त किया। यह घटना किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है।

उल्लेखनीय है कि 2011 में भूटान से भारतीय सीमा में प्रवेश करने के बाद फोनशे वांगदी नामक यह युवक लापता हो गया था। उनके पिता द्वारा कई जगह खोजने के बाद भी जब अपने बेटे का कोई सुराग नहीं मिला तो उन्हें लगा उनका बेटा अब इस दुनिया में नहीं है। लेकिन अचानक 13 वर्ष बाद फिर से अपने लापता बेटे से मिलने पर उन्हें यकीन ही नहीं हुआ। जानकारी के अनुसार, मुंबई के श्रद्धा रिहेबिलीटेशन फाउंडेशन के समाजसेवी समर बसाक एवं निखिलेश सांगड़ा ने इस भूटानी युवक फोनशे वांगदी को मुंबई के श्रद्धा रिहेबिलीटेशन केंद्र से लेकर आए थे। यहां आज उन्होंने इस भूटानी युवक को सुरक्षित उनके पिता को सौप दिया। फाउंडेशन के समर बसाक ने बताया यह भूटानी नागरिक अपने पिता के साथ भूटान की राजधानी थिंपू में किसी बेकरी में काम करता था।

अचानक अपने पिताजी से अनबन होने के पश्चात यह युवक भारतीय सीमा में प्रवेश कर भाग गया। कई वर्षों तक दक्षिण भारत के चेन्नई में इस लड़के ने होटल में काम किया। कोविड महामारी के समय जब यह युवक रोजगार विहीन हो गया, तो मानसिक रूप से काफी बीमार पड़ गया। किसी को सड़क पर पड़ा हुआ मिलने के बाद वांगदी को चेन्नई के एक मानसिक अस्पताल लाया गया। वहां 6 महीने तक रखने के बाद युवक को मुंबई में श्रद्धा रिहेबिलीटेशन फाउंडेशन में उपचार के लिए लाया गया। वहां डॉक्टर भरत वाटवानी की निगरानी में धीरे-धीरे इस युवक की मानसिक स्थिति पहले से बेहतर हुई। इसी दौरान, काउंसलिंग में युवक ने बताया उनका घर भूटान के थिंपू शहर में है। बसाक के अनुसार, गत वर्ष भी फाउंडेशन की ओर से युवक को सामसे भूटान आकर उसके परिवार से मिलवाने की कोशिश की गई थी, लेकिन भली-भांति परिजनों के नाम-पता न बता पाने के कारण उसमें सफलता नहीं मिली थी। लेकिन इस बार चामूर्ची चेकपोस्ट के सशस्त्र सीमा बल की 17वीं बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट केपी प्रसून एवं उनके सहयोगी अधिकारियों, चामूर्ची आउटपोस्ट के पुलिस अधिकारी, स्थानीय समाजसेवी रेजा करीम सहित अन्य लोगों की सहयोग से आज 13 वर्षों से लापता इस भूटानी युवक की अपनी स्वदेश वापसी हुई है। यह काफी खुशी की बात है।

आज चामूर्ची चेक पोस्ट स्थित सामसे भूटान गेट पर भूटानी युवक को लेने उनके पिता नामघे वांगदी आए थे। भूटान की सभी प्रशासनिक एवं कानूनी प्रक्रिया को पूरी करने के बाद वह अपने बेटे फोनशे वांगदी को अपने घर ले गए।